प्रधानमंत्री ओली ने बैठक में मधेशी दलों से अध्यादेश पारित कराने के लिए किया सहयोग का आग्रह

काठमांडू

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को सत्तारूढ़ गठबंधन की बैठक बुलाकर शामिल दलों का अध्यादेश का विरोध नहीं करने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री ओली ने अपने सरकारी निवास पर बुलाई बैठक में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल मधेशी दलों के शीर्ष नेताओं से अध्यादेश का विरोध करने की बजाय इसे सदन से पारित करने में सहयोग का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री ओली के प्रमुख राजनीतिक सलाहकार विष्णु रिमाल ने इसकी पुष्टि की है।

रिमाल के मुताबिक जिस भूमि आयोग के विधेयक को लेकर मधेशी दलों ने विरोध किया है, उसके कुछ प्रावधानों को आने वाले समय में बदलने का प्रधानमंत्री की तरफ से आश्वासन भी किया गया है।

उन्होंने बताया कि एक बार अध्यादेश पास हो जाने के बाद जब उस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा तो उस समय विवादित प्रावधानों को हटाने दिया जाएगा। प्रमुख राजनीतिक सलाहकार ने बताया कि प्रधानमंत्री के आग्रह और आश्वासन के बाद भी विधेयक का विरोध कर रहे मधेशी दलों ने अपने रुख में कोई भी परिवर्तन नहीं किया है।

प्रधानमंत्री निवास पर हुई बैठक में शामिल होने गए जनमत पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल खान ने कहा कि सिर्फ आश्वासन देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। उन्होंने बताया कि मधेशी दलों की तरफ से प्रधानमंत्री ओली को इस अध्यादेश को वापस लेने को कहा गया है और सबकी सहमति से एक विधेयक लाने की मांग की गई है। बैठक में अध्यादेश का विरोध करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के जनता समाजवादी पार्टी नेपाल का कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं था, जबकि जनमत पार्टी के अध्यक्ष ने इस बैठक में खुद सहभागी न होकर अपने उपाध्यक्ष को भेज दिया था। इसी तरह लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की तरफ से सरकार में सहभागी शरद सिंह भंडारी बैठक में शामिल नहीं हुए लेकिन पार्टी अध्यक्ष महंत ठाकुर ने बैठक में सहभागी होने के बावजूद अपना विरोध जताया।

न्यूज ब्रीफ

मारवत ने पीटीआई से निष्कासन के लिए राजा को दोषी ठहराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से बाहर किए जाने के बाद असंतुष्ट विधायक शेर अफजल मारवत ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने निष्कासन के लिए सीधे तौर पर पीटीआई महासचिव सलमान अकरम राजा और उनके सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया है। मारवत ने दावा किया है कि जनाधारहीन नेता पार्टी के सभी मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं। मारवत ने यह टिप्पणी सहयोगी समाचार चैनल शाहजेब खानजादा के साथ में की। जेल में बंद पीटीआई संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने पार्टी अनुशासन का लगातार उल्लंघन करने के कारण इस सप्ताह मारवत को तत्काल पार्टी से निष्कासित करने का आदेश दिया था। पीटीआई के पूर्व नेता मारवत ने दावा किया कि राजा कुछ प्रभावशाली लोगों की सिफारिश पर पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी के महासचिव बने थे। विधायक का यह बयान पीटीआई में चल रही अंदरूनी कलह के बीच आया है। कुछ प्रभावशाली नेताओं ने रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में पीटीआई संस्थापक इमरान खान के साथ हाल की बैठकों में पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर असद कैसर, पीटीआई खैबर पख्तूनख्वा के अध्यक्ष जुनैद अकबर, मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और मारवत सहित कई प्रमुख नेताओं के खिलाफ कान भरे हैं। पीटीआई महासचिव राजा का कहना है कि पार्टी से बाहर किए गए विधायक शेर अफजल मारवत बौखला गए हैं।

बांग्लादेश में विश्व इज्तेमा में शामिल बुजुर्ग जायरीन का निधन

ढाका। मुसलमानों के बड़े धार्मिक आयोजन विश्व इज्तेमा की मेजबानी कर रहे बांग्लादेश के गाजीपुर जिले के औद्योगिक शहर टोंगी में एक बुजुर्ग जायरीन का इंतकाल हो गया। 58वें विश्व इज्तेमा के दूसरे चरण का आगाज टोंगी में तुराग नदी के तट पर इज्तेमा मैदान में शुक्रवार को हुआ है। इसके पहले चरण में भी दो श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। विश्व इज्तेमा के दूसरे चरण में एक और जायरीन की मौत के साथ इस आयोजन के दोनों चरणों में मरने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर तीन हो गई । शुक्रवार रात लगभग 10:30 बजे जिस जायरीन का निधन हुआ, उसका नाम 60 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल अजीज है। साद अनुयायियों के मीडिया समन्वयक मोहम्मद सईम ने सुबह यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इससे पहले दो और जायरीनों की मौत हो चुकी है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, विश्व इज्तेमा का दूसरा चरण शुक्रवार सुबह शुरू हुआ। मोहम्मद सईम ने कहा कि इज्तेमा फज्र की नमाज के बाद प्रसिद्ध इस्लामी विद्वानों ने उपदेश दिए। भारत से आए मौलाना साद के सबसे बड़े बेटे मौलाना यूसुफ बिन साद कांधलवी ने इज्तेमा मैदान में जुमा की नमाज का नेतृत्व किया।

पुतिन से मुलाकात पर जेलेंस्की बोले- ट्रंप से साझा योजना पर बातचीत जब हो जाएगी, तब उनसे मुलाकात कर लेंगे

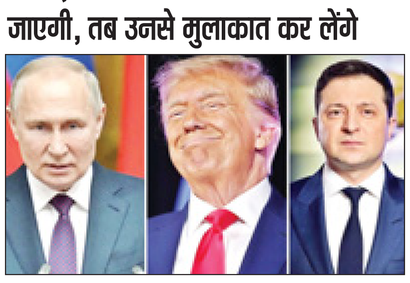

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वॉलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए तभी सहमत होंगे, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ साझा योजना पर बातचीत हो जाएगी। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि उन्हें विश्वास है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने में ट्रंप की अहम भूमिका हो सकती है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यूक्रेन संकट के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की प्रक्रिया में अमेरिका की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में, जेलेंस्की अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात कर सकते हैं। विभिन्न पर्यवेक्षकों, विशेष रूप से यूरोपीय पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि वेंस इस सप्ताह ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद वार्ता के माध्यम से यूक्रेन युद्ध के समाधान के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विचारों पर कुछ प्रकाश डालेंगे। इस मामले में विशेषज्ञों का मानना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिकी कूटनीति की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो सकती है।

ट्रंप ने निभाई पीएम मोदी से दोस्ती, भारत को देगा अपना बाहुबली एफ-35 जेट

अब तक सिर्फ 19 देशों ने इन जेट विमानों का दिया है ऑर्डर

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का ऑफर दिया है। यह दुनिया के चुनिंदा पांचवीं जनरेशन जेट्स में से एक है। अमेरिका अपना यह बाहुबली जेट हर किसी को नहीं देता है। इसे सिर्फ खास दोस्तों के लिए रिजर्व रखता है। अब ट्रंप एफ-35 भारत को देना चाहते है। और पीएम मोदी से अपनी दोस्ती को मजबूत करना चाहता है। एफ-35 फाइटर जेट को अमेरिकी कंपनी ने तैयार किया है। एफ-35 लाइटनिंग-2 को दुनिया के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट्स में से एक माना जाता है। यह जेट एडवांस स्टील्थ टेक्नोलॉजी, सुपीरियर सिचुएशनल अवेयरनेस और नेटवर्क-कैपेबल कॉम्बैट सिस्टम से लैस है, जो इसे दुश्मन के रडार से बचाते हुए सुपरसोनिक स्पीड से ऑपरेट करने की क्षमता देता है। अमेरिका ने चुनिंदा देशों को ही एफ-35 जेट्स बेचे हैं। अब तक सिर्फ 19 देशों ने इन जेट विमानों का ऑर्डर दिया है या उनका इस्तेमाल कर रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन हर साल करीब 150 एफ-35 का प्रोडक्शन करती है। एफ-35 का कॉकपिट डिजाइन अलग है। अन्य फाइटर जेट्स की तरह इसमें पारंपरिक गौजेस या स्क्रीन नहीं हैं, बल्कि इसमें लार्ज टचस्क्रीन डिस्प्ले और हेलमेट-माउंटेड डिस्प्ले सिस्टम दिया गया है। इसमें डिस्ट्रिब्यूटेड अपर्चर सिस्टम है जिसमें छह इंफ्रारेड कैमरे लगे हैं, जो पायलट को विमान के आर-पार देखने की क्षमता देता हैं। यह जेट बिना अपनी स्टील्थ क्षमताओं को कम किए भारी मात्रा में हथियार ले जा सकता है। यह जेट अन्य मित्र देशों के विमानों और ग्राउंड सिस्टम के साथ डेटा शेयरिंग और कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन कर सकता है। यह जेट दुश्मन के रडार को चकमा देकर ऑपरेशन को अंजाम दे सकता है और युद्ध में भारतीय वायुसेना को एडवांटेज देगा। एफ-35 को खरीदना, ऑपरेट करना और मेंटेनेंस करना बेहद महंगा सौदा साबित हो सकता है। इसकी कीमत सिर्फ खरीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके रखरखाव, टेक्नोलॉजी अपग्रेड और लॉजिस्टिक्स को भी ध्यान में रखना होता है।

पवित्र कुरआन जला रहे शख्स को दूसरे शख्स ने चाकू मारा, अस्पताल में भर्ती

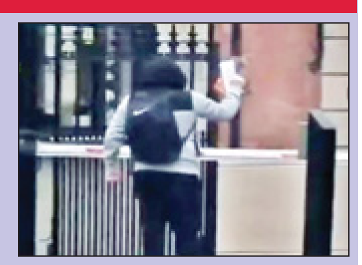

लंदन। लंदन में तुर्किए के दूतावास के सामने एक शख्स ने कथित तौर पर पवित्र ग्रंथ कुरआन को आग लगा रहा था तभी उसपर किसी ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दूतावास के बाहर एक शख्स कुरआन को आग लगा रहा है। यह घटना गुरुवार की बताई जा रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शख्स के हाथ में किताब है। उसने आग लगाकर खड़ा है। लोग भी उसे देख रहे हैं। दूसरे वीडियो में देखा जा सकता है कि कुरआन जलाने वाला शख्स जमीन पर पड़ा है और एक अन्य शख्स उसे लातों से मार रहा है। इसके बाद उसने चाकू निकाला और उसपर हमला कर दिया। पुलिस ने कहा कि हमला करने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुरआन जलाने वाला शख्स भी तुर्की मूल का ही है। उसने एक सोशल मीडिया पोस्ट भी की थी और उसमें कहा था कि कुरआन जलने वाले सलवान मोमिका की याद में वह विरोध प्रदर्शन करने जा रहे हैं। बता दें कि स्वीडन में सलवान की हत्या कर दी गई थी। उनकी हत्या का वीडियो भी बनाया गया था। हाल ही में स्वीडिश डेनिश नेता ने भी कुरआन जलाकर प्रदर्शन किया था।

विशेषज्ञों ने वजन घटाने की दवा को लेकर जारी की चेतावनी

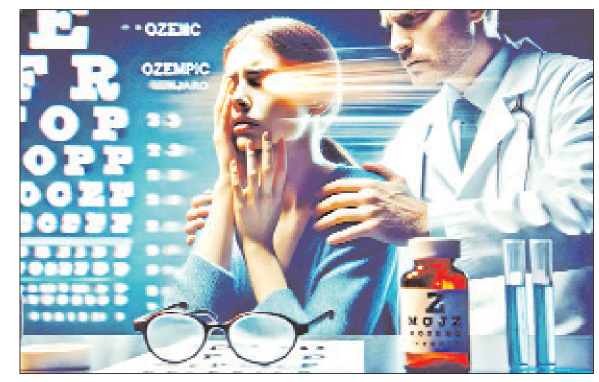

वॉशिंगटन

वजन घटाने की दवा ओझेंपिक का सेवन करने वाले मरीजों को आंखों की रोशनी खोने का खतरा हो सकता है। ओझेंपिक और मौनजारो में मौजूद सक्रिय तत्व सेमाग्लूटाइड और तीरजेपाटाइड आंखों में सूजन और रक्त प्रवाह में रुकावट का कारण बन सकते हैं, जिससे स्थायी अंधापन हो सकता है।

अमेरिका में हुए ताजा शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने इन दवाओं के उपयोग से जुड़े अंधेपन के मामलों की जांच की, जिसमें नौ मरीज शामिल थे। एक महिला ने डायबिटीज के इलाज के लिए ओझेंपिक का पहला डोज लिया और अगली सुबह उसकी बाईं आंख की रोशनी चली गई। इस घटना के बाद उसने दवा लेना बंद कर दिया, लेकिन कुछ समय बाद जब उसने फिर से दवा लेना शुरू किया, तो उसकी दाईं आंख की रोशनी भी चली गई। इसी तरह के एक अन्य मामले में एक महिला ने सेमाग्लूटाइड का एक साल तक उपयोग किया और एक सुबह उसे बाईं आंख में अंधेरा सा महसूस हुआ। जांच में पाया गया कि उसकी रेटिना की रक्त वाहिकाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी थीं, जिससे स्थायी अंधापन हो गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, ओझेंपिक और मौनजारो जैसे वजन घटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले इन दवाओं से शरीर में रक्त शर्करा का स्तर तेजी से गिर सकता है। इसके परिणामस्वरूप आंखों के ऊतकों में रक्त प्रवाह रुक सकता है, जिससे ऑप्टिक नर्व तक खून की आपूर्ति में रुकावट आती है। इस स्थिति को नोनाटेरीटिक इस्चेमिक अंटेरियर ऑप्टिक न्यूरोपेथिक (नेशन) कहा जाता है, जो दृष्टि को प्रभावित कर सकता है। डॉक्टरों का मानना है कि जो मरीज पहले से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या स्लीप एपनिया जैसी समस्याओं से पीड़ित हैं, उन्हें इन दवाओं का उपयोग करते समय अधिक सतर्क रहना चाहिए। अमेरिका में हर साल लगभग 6,000 लोग नेशन से प्रभावित होते हैं। अमेरिकी नेत्र रोग विशेषज्ञों की संस्था ने मरीजों को आगाह किया है कि अगर वे दवा लेते समय दृष्टि में कोई भी असामान्यता महसूस करें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

थाईलैंड के एक गार्डन में सामूहिक विवाह समारोह

थाईलैंड के एक गार्डन में सामूहिक विवाह समारोह में जश्न मनाते हुए लोग।

इजराइल की घोषणा, हमास तीन बंधकों को छोड़ेगा

तेल अवीव

इजराइल ने गाजा पट्टी में आतंकवादी समूह हमास के जरिये फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद की कैद से रिहा किए जाने वाले तीन बंधकों के नामों की घोषणा की। ये हैं-अमेरिकी-इजराइली सागुई डेकेल-चेन (बाएं), रूसी-इजराइली एलेक्जेंडर ट्रूफानोव (मध्य) और अर्जेंटीनाई इजराइली आयर हॉर्न (दाएं)। तीनों को सात अक्टूबर, 2023 को अगवा किया गया था। यह रिहाई पिछले महीने इजराइल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम और बंधकों की अदला-बदली समझौते के तहत होगी। फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद ने कैद में उनके कई वीडियो जारी किए हैं। इजराइल ने कहा कि फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद अमेरिकी-इजराइली सागुई डेकेल-चेन, रूसी-इजराइली एलेक्जेंडर ट्रोफानोव और अर्जेंटीनाई इजराइली आयर हॉर्न को रिहा करेगा। हमास के कैदी मीडिया कार्यालय ने कहा कि उसे उम्मीद है कि इसके बाद इजराइल 369 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। यह ताजा घोषणा इस सप्ताह गाजा संघर्ष विराम समझौते पर हमास और इजराइल के बीच विवाद के बाद आई है। हमास ने कहा था कि वह कथित इजराइली उल्लंघनों के कारण योजना के अनुसार शनिवार को इजराइली बंधकों को रिहा नहीं करेगा। हमास का यह रुख सामने आने के बाद इजराइल और अमेरिका ने कड़े तेवर दिखाए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कहा कि यदि हमास शनिवार दोपहर तक बंधकों को रिहा नहीं करता तो उसके परिणाम बहुत भयानक होंगे। गाजा पट्टी में सबकुछ बदल जाएगा।

दुनिया का सबसे कम भ्रष्ट देश डेनमार्क को घोषित किया

लंदन

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, डेनमार्क को लगातार सातवें साल दुनिया का सबसे कम भ्रष्ट देश घोषित किया गया है। हाल ही जारी रिपोर्ट में इस यूरोपीय देश ने करप्शन परसेप्शन इंडेक्स (सीपीआई) में 90 अंक हासिल कर टॉप स्थान बरकरार रखा है।

इस इंडेक्स में 180 देशों को 0 से 100 के बीच अंक दिए जाते हैं, जिसमें 0 अंक अत्यधिक भ्रष्ट और 100 अंक पूर्ण रूप से ईमानदार होने का संकेत देते हैं। डेनमार्क की इस सफलता का एक बड़ा कारण वहां के नागरिकों के बीच गहरा आपसी विश्वास है। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 74 फीसदी डेनिश नागरिक मानते हैं कि दुनिया के अधिकतर लोग भरोसेमंद होते हैं। यहां लोग अनजान व्यक्तियों पर भी सहज विश्वास करते हैं। डेनमार्क में लोग घरों और दुकानों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के छोड़ देते हैं और लेन-देन में भी लिखित अनुबंध से अधिक आपसी सहमति को महत्व देते हैं। सरकारी संस्थाओं पर भी नागरिकों का मजबूत विश्वास है, जिससे वहां भ्रष्टाचार की संभावना बेहद कम हो जाती है। डेनमार्क की अर्थव्यवस्था भी इसकी ईमानदार छवि को बनाए

रखने में अहम भूमिका निभाती है। यह देश यूरोप के सबसे अमीर देशों में से एक है, जहां सरकार नागरिकों को कई सुविधाएं उपलब्ध कराती है। यूनिवर्सिटी की पढ़ाई मुफ्त होती है, और छात्रों को आर्थिक सहायता भी मिलती है। देश में आय का अंतर भी बहुत कम है, जिससे समाज में आपसी विश्वास बढ़ता है। हालांकि, हाल के वर्षों में कुछ चुनौतियां भी सामने आई हैं। घेटो पॉलिसी के तहत कुछ खास इलाकों में सख्त नियम लागू किए गए हैं, जिससे सामाजिक विभाजन की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा, हाल ही में कुछ राजनेताओं और पुलिस अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट पर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं।

फ्रिज में दूध रखना कितना सुरक्षित और सही तरीका क्या........जान लें आप

नई दिल्ली। हर घर में दूध को ताजा रखने के लिए फ्रिज का उपयोग होता है, लेकिन क्या दूध स्टोर करने का तरीका सही होता है अगर दूध को गलत तरीके से फ्रिज में रखा जाए, तब सेहत और जेब दोनों पर भारी पड़ सकता है। दरअसल फ्रिज में रखा दूध सेहत के लिए सही होता है। लेकिन कच्चे दूध को फ्रिज में रखना खतरनाक हो सकता है। एक बार उबाले गए दूध को फ्रिज में रखने से उसके पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं। बार-बार उबालने से दूध के जरूरी विटामिन और मिनरल्स नष्ट हो सकते हैं। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक फ्रिज में दूध को 7 दिन तक स्टोर कर सकते है। बिना फ्रिज के दूध सिर्फ 8 घंटे तक सुरक्षित रहता है, गर्मियों में यह 1-2 घंटे में दूध खराब हो सकता है। घर में महिलाओं और अन्य लोगों को दूध को फ्रिज के पीछे वाले सबसे नीचे वाले हिस्से में रखें। वहां तापमान स्थिर और ठंडा रहता है, जिससे दूध ज्यादा समय तक ताजा बना रहता है। वहीं एक रिसर्च में पाया गया है कि फ्रिज में कच्चे दूध में बैक्टीरिया और वायरस कई दिनों तक जीवित रह सकते हैं। ऐसा दूध पीने से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन और इम्यून सिस्टम से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए हमेशा दूध को उबालकर ही फ्रिज में स्टोर करें। दूध को सही तरीके से स्टोर करने के तरीके: एक बार उबालने के बाद ठंडा करके फ्रिज में रखें। दूध को हमेशा एयरटाइट कंटेनर या स्टील के बर्तन में स्टोर करें। गर्म दूध को तुरंत फ्रिज में न रखें, पहले कमरे के तापमान पर ठंडा करें।